Total No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC EL HND 1

2015

(November)

ELECTIVE HINDI

Course : 101

(गद्य-कथा साहित्य एवं नाटक)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32 (Backlog) / 24 (2014 Onwards)

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×8=8

(क) क्रोध को किसका आज्ञाकारी सेवक कहा गया है?

(ख) 'गेहूँ बनाम गुलाब' में गुलाब किसका प्रतीक है?

(ग) 'भोलाराम का जीव' किस प्रकार की कहानी है?

(घ) 'केंया गोला' का अर्थ क्या है?

(ङ) 'समरस आत्मीयता की संस्कृति' किसे कहा गया है?

(च) भोलाराम का जीव किसे चकमा दे गया?

(छ) कलिया केयां का असल नाम क्या था?

(ज) 'पचपन खंभे लाल दीवारें' के उपन्यासकार का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) 'पचपन खंभे लाल दीवारें' के आधार पर मीनाक्षी का परिचय दीजिए।

(ख) "क्रोध सब मनोविकारों से फुर्तीला है।" भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'भोर का तारा' एकांकी में भोर का तारा किसे एवं क्यों कहा गया है?

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के भाषा प्रेम पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) 'गेहूँ बनाम गुलाब' निबंध में अभिव्यक्त रामवृक्ष बेनीपुरी के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'उसने कहा था' कहानी की विशिष्टताओं का उद्घाटन करते हुए कहानी का सारांश लिखिए।

(ग) 'केंया गोला' कहानी में कहानीकार क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

4. 'पचपन खंभे लाल दीवारें' उपन्यास के आधार पर सुषमा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 8

(Continued)

अथवा

'पचपन खंभे लाल दीवारें' का कौन-सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है? विवेचनात्मक रूप से लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) वसंत-1 की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर शेखर का परिचय दीजिए।

(ग) 'एक दिन' एकांकी के आधार पर राजनाथ और उनके पुत्र मोहन के चरित्रों की तुलना कीजिए।

6. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साहित्यिक अवदानों का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

ज्योतिप्रसाद अगरवाला के फिल्मी एवं नाटकीय क्षेत्रों में किये गये अवदानों का परिचय दीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6×3=18

(क) वैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।

(ख) थकते तो मर्द हैं, स्त्री कभी नहीं थकती है? काम और विश्राम यह मर्दों की ईजाद है।

(ग) आपको दुनियादारी समझ में नहीं आती। दरखास्तें पेपरवेट से नहीं दबतीं।

(घ) प्रत्येक पुरुष के लिए स्त्री एक कविता है।

(Turn Over)

(ङ) अंग्रेज राज सुख साज सजै सब भारी।
पै धन विदेश चलि जात यहै अति ख्वारी॥

(च) दुनिया की यही रीति है सुषमा—दूसरे के फटे में पैर अड़ाना सबको अच्छा लगता है। और हम प्रबुद्ध, प्रगतिशील महिलाएँ बनने का दम भरती हैं।

★★★